कोड नं. 570

(Code- 570)

Code - A

कक्षा : 11वीं

Class : 11th

इतिहास

History

(हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम)

(Hindi and English Medium)

(MARKING SCHEME)

खण्ड–क (Section-A)

उत्तर 1	(क)	नैबोनिडस	(a)	Nabonidus
उत्तर 2	(घ)	मेसोपोटिमिया सभ्यता से	(d)	In Mesopotamia Civilization
उत्तर 3	(ख)	ऑगस्टस	(b)	Augustus
उत्तर 4	(क)	तेमुजिन	(a)	Temujin
उत्तर 5	(ख)	फ्रांस	(b)	Franch
उत्तर 6	(क)	पैट्राक	(a)	Petrarch
उत्तर 7	(ख)	रूसो	(b)	Russeau
उत्तर 8	(क)	चावल	(a)	Rice
उत्तर 9		इराक गणराज्य		Republic of Iraq
उत्तर 10		सुमेरियन		Sumerian
उत्तर 11		पोम्पई		Pompeii
उत्तर 12		तीसरा पुत्र ओगोदेई		His Third Son Ogodei
उत्तर 13		सनयात–सेत		Sunyat-Sen
उत्तर 14		एकल परिवार		Nuclear Family
उत्तर 15		चांदी का सिक्का		Silver Coin
उत्तर 16		कियात		Kiyat

Downloaded from www.cclchapter.com Scanned with OKEN Scanner

उत्तर 17 टीथ Tithe

उत्तर 18 कैलीफोर्निया California

उत्तर 19 (C) अभिकथन (A) सही है और कारण (R) सही नहीं है।

(C) Assertion (A) is right and Reason (R) is not

उत्तर 20 (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनो सही है, और R, A की सही व्याख्या करता हैं

(A) Assertion (A) and Reason (R) are correct and R is right explanation of A

उत्तर 21 (B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनो सही है, परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं हैं

(B) Assertion (A) and Reason (R) is right but R is not right explanation of A

खण्ड–ख (Section-B)

उत्तर–22 आरम्भ में लोगों ने अपने गांवों में कुछ चुने हुए स्थानों पर मंदिरों को बनाना शुरु किया। सबसे पहला ज्ञात मंदिर एक छोटा–सा देवालय था, जो कच्ची ईंटों से बना हुआ था। कुछ प्रारम्भिक मंदिर साधारण घरों से अलग किस्म के नहीं होते थे। क्योंकि मंदिर भी किसी देवता का घर ही होता था। ये मंदिर घर के समान ही बने होते थे। मंदिरों के बीच में आंगन और चारों ओर कमरें हुआ करते थे।

Answer-22 In the beginning, people began to build temples at selected spots in their villagers. The earliest known temple was a small shrine, made of unbaked bricks. Early temple have been much like a house because these temples were small in size. They also had an open courtyard around which rooms were constructed like houses.

अथवा / OR

उत्तर–22 मारी का विशाल राजमहल वहां के शाही परिवार का निवास स्थान तो था ही, साथ ही वह प्रशासन और उत्पादन, विशेष रूप से कीमती धातुओं के आभूषणों के निर्माण

Downloaded from www.cclchapter.com Scanned with OKEN Scanner

का मुख्य केन्द्र भी था। इस राज महल का सिर्फ एक ही प्रवेश द्वार था, जो उत्तर की ओर बना हुआ था। राजमहल 2–4 हैक्टेयर के क्षेत्र में स्थित एक विशाल भवन था, जिसमें 260 कक्ष बने हुए थे।

Answer 22 The great Palace of Mari was the residence of Royal family, the hub of administration and a Place of Production, especially of Precious metal ornaments. The palace had only one entrance, on the North. The Palace was a sprawling structure, with 260 rooms and covered an area of 2-4 hectares.

उत्तर 23 प्राचीन रोमन साम्राज्य अत्यन्त विस्तृत था, जो यूरोप, एशिया और उत्तर अफ्रीका सहित तीन महाद्वीपों में फैला हुआ था। रोम और ईरान के बीच की सीमा निर्धारण फरात नदी द्वारा होता था। उत्तर में साम्राज्य की सीमा का निर्धारण दो महान नदियों राइन और डन्यूब से होता था। दक्षिणी सीमा सहारा नामक अति विस्तृत रेगिस्तान से बनती थी। इस अत्यन्त विस्तृत क्षेत्र में रोमन साम्राज्य फैला हुआ था। इस प्रकार रोमन साम्राज्य भू–मध्य सागर के चारों ओर के क्षेत्रों में फैला हुआ था।

Answer 23 Ancient Roman Empire was very Vast. It was spread over three continents namely Europe, Asia and North Africa. River Euphrates formed the frontier between the Roman Empire and Iran. Rivers Rhine and Danube dema crated its Northern frontier and Sahara desert formed its Southern frontier. So, Roman Empire dominated the region around the Mediterrancen sea.

अथवा / OR

उत्तर 23 अगस्टस को रोम प्रथम सम्राट माना जाता है। आगस्टस ने 27 ई0पू0 में जो समय स्थापित किया था उसे प्रिंसिपेट कहा जाता था और उसने स्वयं को प्रिंसेप अर्थात राज्य का प्रथम नागरिक कहा। आगस्टस का वास्तविक नाम आक्टेवियन था। उन्होंने 27 ई0पू0 से 14 ई0 तक शासन किया। उनका शासन काल शांति और समृद्धि का काल माना जाता है।

Answer 23 Augustus was the first emperor of Roman empire. The regime established by Augustus in 27 BC was called the Principate. He called himself

Downloaded from www.cclchapter.com Scanned with OKEN Scanner

Princeps which means first citizen of Kingdom. Augustus' real name was octovian. He ruled from 27BC to 14AD. His regin is considered to be one of peace and prosperity. ▯

उत्तर 24 मंगोल कबीले स्टेपी क्षेत्र में रहते थे। वास्तव में स्टेपी क्षेत्र में संसाधनों की कमी थी। संसाधनों की कमी के कारण मंगोलों को व्यापार और वस्तु विनिमय के लिए उनके पड़ोसी चीन के स्थायी निवासियों के पास जाना पड़ता। यायावर कबीले खेती से प्राप्त उत्पादों और लोहे के उपकरणों को चीन से लाते थे।

Answer 24 Mongols tribes live in steppe region in fact, there was shortage of resources in the steppe region. Due to lack of resourses the Mongols had to go to the permanent residents of their neighbouring china for trade and barter in this way, tade was important for mangols.

उत्तर 25 प्रारम्भिक समाज लार्ड और किसान के सम्बन्धों पर आधारित था। किसान अपने खेतों के साथ–साथ लार्ड के खेतों में भी कार्य करते थे। इसके बदले में लार्ड किसानों को सैनिक सुरक्षा उपलब्ध करवाता था। समाज तीन वर्ग – पादरी, अभिजात और किसान में विभाजित था। पादरियों ने स्वयं को प्रथम वर्ग में और अभिजात वर्ग को दूसरे वर्ग में रखा था।

Answer 25 The early feudal society of early feudac society was based on the lord peasant relationship. The peasants worked in their fields as well as in the fields of lords. Lords provided military security to the peasants. Depending on their works, it was believed that people were members of one of the three orders. Priests placed themselves in the first order, nobles in the second and peasants in third order.

उत्तर 26 मार्टिन लूथर जर्मनी का विद्वान था। सन् 1517 में उसके कैथालिक चर्च के विरूद्ध अभियान छेड़ा और उसके लिए उसने दलील पेश की कि मनुष्य को ईश्वर से सम्पर्क साधने के लिए पादरी की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने अपने अनुयायियों को आदेश दिया कि वे ईश्वर में पूर्ण विश्वास रखें क्योंकि केवल उनका विश्वास ही उन्हें एक सम्यक जीवन

Downloaded from www.cclchapter.com Scanned with OKEN Scanner

की ओर ले जा सकता है और उन्हें स्वर्ग में प्रवेश दिला सकता है।

Answer 26 Martin (1483-1546) Luther was a monk scholar from Germany in 1517, he launched a compaign against the catholic church and argued that a person did not needs priests to established contact with God. He asked his followers to have complete faith in God, for faith alone could guide them to the right life and entry into heaven. ▯

उत्तर 27 यूरोपियन इतिहासकारों ने आस्ट्रेलिया के मूल निवासियों के प्रति भेदभाव की नीति अपनाई। इन इतिहासकारों ने अपनी रचनाओं में यूरोपियन आबादकारों की उपलब्धियों का वर्णन किया। इसके साथ–साथ इन इतिहासकारों ने यह भी दिखाने का प्रयत्न किया कि मूल निवासियों की न कोई परम्परा है और न ही कोई इतिहास। इनका यह मानना था कि कैप्टन कुक की खोज से ही आस्ट्रेलिया का इतिहास शुरु होता है।

Answer 27 The European historians followed the policy of discrimination against the Australian native people. They only mentioned achievement of European settlers in their books. They also tried to show that native people had no tradition and history of their own. They also thought that Australian history began with captain cook's discovery. That is why the history of Australian native peoples was left out of history books.

उत्तर 28 सन यात–सेना के कार्यक्रम तीन सिद्धांत (सन मिन चुई) के नाम से मशहूर है। ये तीन सिद्धांत है – 1. राष्ट्रवाद – इसका अर्थ है चीन से माचू वंश की सता को समाप्त करना। साथ ही साम्राज्यवादियों से देश को मुक्त कराना। 2. लोकतंत्र – इसमें गणतांत्रिक सरकार की स्थापना करना, 3. समाजावाद – इसमें पूंजी का नियमन करें और भूस्वामित्व में बराबरी लाए।

Answer 28 The programme of Sun yat-Sen was called the three Principles (Sun min Chui). His first Principle was nationalism which means overthrowing Manchu who were seen as foreign dynasty. Second Principle was establishment of democracy and his third principle was socialism which regulate capital and

Downloaded from www.cclchapter.com Scanned with OKEN Scanner

equalising land holdings.

उत्तर 29 वित्तीय संसाधनों द्वारा खराब प्रबंधन के कारण कोरिया को 1997 में विदेशी मुद्रा संकट का सामना करना पड़ा। कोरिया ने इस संकट का सामना अच्छे ढंग से किया। इस संकट को अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आई.एम.एफ.) द्वारा आपात वित्तीय सहायता के जरिये संभालने की कोशिश की। दूसरी ओर नागरिकों ने गोल्ड कलेक्शन मूवमेंट के माध्यम से विदेशी ऋण भुगतान के लिए सक्रिय रूप से योगदान दिया।

Answer 29 Poor management by the financial institutions of the country, Korea was met with a foreign currency crisis in 1997. Korea was met with a foreign currency crises in 1997 due to miss management by the financial institutions of the country. The crisis was dealt with through emergency financial support provided by the international monetury fund. Secondly, the citizens actively contributed towords foreign loan re-payment through the Gold Collection Movement.

अथवा / OR

उत्तर 29 जापान पर क्योतो में रहने वाले सम्राट का शासन हुआ करता था। लेकिन 12वीं सदी आते–आते असली सता शोगुनों के हाथ में आ गई। सन् 1603 से 1867 तक शोगुनों के हाथ में आ गई। सन् 1603 से 1867 तक शोगुन पद पर तोकुगावा परिवार के लोग कायम थे। पूरा देश 250 भागों में विभाजित था, जिनका शासन दैम्यो चलाते थे। शोगुन दैम्यों को पूरे नियंत्रण में रखते थे।

Answer 29 An emperor had rulled Japan from Kyoto. But by the twefth century the imperial court cost Power to shogun. From 1603 to 1867, members of the Tokugawa family held the position of shogun. The country was divide into over 250 domains under the rule of daimyo. Shogun Kept the daimyo under complete control. [illegible]

खण्ड–ग[illegible](Section-C)

उत्तर 30 शहरों में सभी लोगों का जीवन एक जैसा नहीं था। नगरों की सामाजिक

Downloaded from www.cclchapter.com Scanned with OKEN Scanner

व्यवस्था में एक उच्च या संभ्रांत वर्ग का प्रादुर्भाव हो चुका था। धन दौलत का ज्यादातर हिस्सा समाज के एक छोटे से वर्ग में केन्द्रित था। इस बात की पुष्टि इस तथ्य से होती है कि बहुमूल्य वस्तुएँ (आभूषण, सोने के पात्र, सफेद सीपियां और लाभवर्श जुड़े हुए लकड़ी के वाद्य यंत्र, सोने के सजावटी खंजर आदि) विशाल मात्रा में उर में राजाओं और रानियों की कुछ कब्रो या समाधियों में उनके साथ दफनाई मिलती है।

शहरी समाज में एकल परिवार को ही आदर्श माना जाता था। पिता परिवार का मुखिया होता था। विवाह करने की ईच्छा के बारे में घोषणा की जाती थी और वधु के माता–पिता उसके विवाह के लिए सहमति दे देते थे। उसके बाद वर पक्ष के लोग वधू को उपहार देते थे।

नगर योजना का जहाँ तक संबंध है, मेसोपोटामिया के नगरों में नगर योजना का अभाव था। उर नगर में गलियां टेढ़ी–मेढ़ी और सकरी पाई गई। जल निकासी योजना का भी पूर्ण अभाव रहा। लोग अपने घर का सारा कचरा–कूड़ा बहाकर गलियों में डाल देते थे। इस प्रकार का कूड़ा डालते रहने से गलियों की सतहें ऊँची उठ जाती थी, जिसके कारण कुछ समय के बाद घरों की दहलीजों को भी ऊँचा उठाना पड़ता था ताकि वर्षा के बाद कीचड़ बहकर घरों के भीतर न आ सके।

लोगों में कई तरह के अंध विश्वास प्रचलित थे, जिनके विषय में उर में पाई गई शकुन–अपशकुन संबंधी बातें पट्टिकाओं पर लिखी मिली है; जैसे–घर की देहली ऊँची उठी हुई हो तो वह धन दौलत लाती है; सामने का दरवाजा अगर किसी दूसरे के घर की ओर न खुले तो सौभाग्य प्रदान करता है।

Answer 30 Not everyone's life in cities was the same. An upper class had emaged in the social system of cities. A small section of society had a major share of wealth. Nothing marks this fect as clear as the enormous riches (Jewellery, gold, vassels, wooden musical instruments in laid with white shell and lapis lazuli, ceremonial daggers of gold etc.) buried with some kings and queen at Ur.

In urban society, nuclear family was considered ideal. The father was the

Downloaded from www.cclchapter.com Scanned with OKEN Scanner

head of family. A declaration was made about the willingness to marry, the bride's parents giving their consent to the marriage. Then a gift was given by groom's people to the bride's people. When the wedding took place, gifts were exchanged by both parties.

As far as town planning is concerned, there was a lac of town planning in the cities of Mesopotamia. The streets in the city of Ur. were found to be narrow. There was complete lac of drainage system. People seem to have swept all their household refuse into the streets, to be trodden underfoot. This made street level rise, and overtime the thresholds of houses had also to be raised so that no mud would flow inside after the rain.

Many types of Superstitions were prevalent among the people. There were Superstitions about houses recorded in omen tablet at Ur; a raised threshold brought wealth a front door that did not open towords another house was lucky.

अथवा / OR

उत्तर 30 आधुनिक चीन की शुरुआत 16वीं और 17वीं सदी से मानी जाती है, जब इसका सामना पश्चिम के साथ हुआ। यहां पर खगोल विद्या और गणित जैसी पश्चिमी विज्ञानों को ईसाई मिशनरिया ने पहुंचाया। इसका तत्कालीन प्रभाव तो कम था, परन्तु इसने उन चीजों की शुरुआत कर दी, जिन्होंने 19वीं सदी में जाकर गति पकड़ी। सन 1839–42 के दौरान चीन और इंग्लैण्ड के बीच प्रथम अफीम युद्ध हुआ, जिसे ब्रिटेन ने अफीम के फायदे मंद व्यापार को बढ़ाने के लिए लड़ा। इस युद्ध ने सत्ताधारी किवंग राजवंश के कमजोर का दिया और सुधार तथा बदलाव की मांगों को मजबूती दी।

उपनिवेश बनाए गए देशों के नकारात्मक उदाहरणों ने भी चीनी विचारकों पर प्रभाव डाला। भारत का उदाहरण भी उनके सामने था। प्रमुख चीनी विचारक लियॉग किचाऊ का मानना था कि चीनी लोगों में एक राष्ट्र की जागरूकता लाकर ही चीन पश्चिम का विरोध कर पाएगा। 1903 में उन्होंने लिखा कि भारत एक ऐसा देश है जो एक कम्पनी के हाथों

Downloaded from www.cclchapter.com Scanned with OKEN Scanner

बर्बाद हो गया।

शिक्षा ने भी आधुनिकरण में अपनी भूमिका निभाई। विद्यार्थियों को जापान, ब्रिटेन और फ्रांस में पढ़ने के लिए भेजा गया। ये विद्यार्थी विदेशों से नए विचार लेकर आए जिससे गणतंत्र की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ।

चीन की कम्यूनिस्ट पार्टी की विचारधारा ने भी चीन के आधुनिकरण में अपनी भमिका निभाई। यह पार्टी युगो–युगों की असमानता को खत्म करना और विदेशियों को खदेड़ देना चाहती थी।

Answer 30 The beginning of modern China is considered to be from 16th and 17th century, when its first encounter with the west. Christian Missionaries brought western science like astronomy and mathematics here. Its immediate impact was limited but it marked the beginning of things that gained momentum in the nineteenth century. The first opium war was fought between China and England in 1839-42, which was fought by Britain to increase the profitable opium trade. This war undermined the rulling Qing dynasty and strengthened demand for reform and change.

Qing reformed such as kang youwei and Liang Qichao realised the need to strenthen the system and initiated policies to build a modern administrative system. The negative example of colonised countries worked powerfully on chinese thinkers. Example of colonised India was they. Chinese thinker Liang Qichao believed that only by making people aware of one nation, China would be able to oppose the west. He wrote that India was a country that was destroyed by East India company.

Education also played vital role in modernizing China. Students were sent to study in foreign countries like Japan, Britain and france and bring back new ideas. They not only brought back new ideas but many become leading republicans.

Downloaded from www.cclchapter.com Scanned with OKEN Scanner

The ideology of communist party of China also played its role in the moderization in China. This party wanted to end age old inequality and drive out foreigners.

उत्तर 31 पुनर्जागरण से पूर्व ईसाई धर्म के अनुयायियों का जीवन कथोलिक चर्च के द्वारा नियंत्रित और अनुशासित था। लेकिन पुनर्जागरण में कुछ विचारक ऐसे हुए, जिन्होंने चर्च और पादरियों के भ्रष्ट जीवन के बारे में बहुत कुछ लिखा। विद्वानों के विचारों का वर्णन हम निम्नलिखित ढ़ंग से कर सकते है।

इंग्लैण्ड के टॉमस गोर और हॉलैण्ड के इरेस्मस का मानना था कि चर्च एक लालची और साधारण लोगों से बात–बात पर लूट खसोट करने वाली संस्था बन गई है। 1517 में एक जर्मन युवा भिक्षु मार्टिन लूथर ने कथौलिक चर्च के विरूद्ध अभियान शुरू किया। उन्होंने दलील पेश की कि मनुष्य को ईश्वर से संपर्क साधन के लिए पादरी की आवश्यकता नहीं है। स्विरजैरलैण्ड में लूथर के विचारों को उल्रिक ज्विंगली और उसके बाद जौ ने काफी लोकप्रिय बनाया।

एक अन्य जर्मन सुधारक एनाबेपटिस्ट सम्प्रदाय के नेता उनसे कही उग्र थे। उन्होंने मोक्ष के विचार को हर तरह के सामाजिक उत्पीड़न के अंत होने के साथ जोड़ दिया। उनका कहना था कि ईश्वर ने सभी इंसानों को एक जैसा बनाया है इसलिए उनसे कर देने की अपेक्षा नहीं की जानी चाहिए और उन्हें अपना पादरी चुनने का अधिकार होना चाहिए। इसने सामंतवाद द्वारा उत्पीड़ित किसानों को आकर्षित किया।

Answer 31 Before the Renaissance, the life of followers of Christianity was controlled and disciplined by the Catholic Church. But in the Renaissance there were some thinkers who wrote a lot about the Church and the currupt life of the clergy. We can describe the views given by various schlors in the debate with the Christianity in the following manner.

Thomas mor in England and Erasmess in Holland felt that Churuch had become an institution marked by greed, extorting money at will from ordinary people.

Downloaded from www.cclchapter.com Scanned with OKEN Scanner

In, 1517 a young German monk called Martin Luther launched a compaign against Catholic Chruch and argued that a person did not need Priests to established contact with God.

In Switzerland Luther's ideas were popularized by Ulrich Zwingli and later by Jean Calvin. Ther German Reformers like Anabaptists were even more radical. They blended the Idea of salvation with the end of all forms of Social oppression. They said that God had created all people as equal. They were not expected to pay taxes and had the right to choose their priests. This appealed tp peasants oppressed by feudalism.

अथवा / OR

उत्तर 31 जापान की अर्थव्यवस्था के आधुनिकीकरण के लिए अनेक तत्व उत्तरदायी थे। सबसे पहले अर्थव्यवस्था के आधुनिकीकरण के लिए जापान में हुई औद्योगिकीकरण प्रक्रिया उत्तरदायी थी। जापान में उद्योग मंत्रालय की स्थापना सन 1870 में हुई। वस्त्र उद्योग के लिए आधुनिक मशीनें यूरोप से आयात की गई। मजदूरों के प्रशिक्षण के लिए विदेशी कारीगरों को बुलाया गया। जापानी विद्यार्थियों को पढ़ने के लिए विदेश भेजा गया। जापानी अर्थव्यवस्था के आधुनिकीकरण के लिए दूसरा महत्वपूर्ण तत्व बैंकों की स्थापना था। सन 1872 में आधुनिक बैंकिंग संस्थाओं का प्रारम्भ हुआ। मित्सुबिषी और सुमितोमो जैसी कम्पनियों को सब्सिडी और करों में फायदे के जरिये प्रमुख जहाज निर्माता बनने में मदद मिली। इससे जापानी व्यापार जापानी जहाजों से होने लगा। जायबात्सु (बड़ी व्यापारिक संस्थाएं जिन पर विषिश्ट परिवारों का नियंत्रण था) का प्रभुत्व दूसरे विष्व युद्ध के बाद तक अर्थव्यवस्था पर बना रहा। इस काल में जापान की जनसंख्या में तीव्र वृद्धि होती जा रही थी। सन् 1872 में जापान की जनसंख्या 3.5 करोड़ थी, जो 1920 में 5–5 करोड़ हो गई। जनसंख्या के दबाव को कम करने के लिए सरकार ने प्रवास को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया। उद्योगों के विकास के साथ लोग षहरों में आए। सन् 1925 तक 21 प्रतिशत जनसंख्या शहरों में रहती थी, जो 1935 तक बढ़कर 32 प्रतिशत हो गई। जापान में कृषि की व्यवस्था में सुधार किया गया। सरकार ने कृषि पर कर लगाकर धन इकट्ठा किया

Downloaded from www.cclchapter.com Scanned with OKEN Scanner

गया। जापान की अर्थव्यवस्था के आधुनिकीकरण में रेलवे का भी काफी योगदान रहा। जापान की पहली रेल लाईन 1870–72 में तोक्यो और योकोहामा बंदरगाह के बीच बिछाई गई।

Answer 31 Many factors were responsible for the modernibing the Economy of Japan. The process of industrialization in Japan was responsible for the modernising the economy Ministry of Industry in Japan was establish in 1870. Textile machinery was imported from Europe. Foregin Technicians were employed to train workers. Japanes students were sent abroad. Another important elements for the modernization of the Japanese economy was the establishment of banks. In 1872, modern banking institutions were launched companies like Mitsubishi and seemetomo were helped through subsidies and tax benefits to become major ship builders so that Japanes trade was from now on camed in Japanes Ships. Zaibatsu (large business organisation controlled by individual families) dominated the economy till after the second world war. During this period population of Japan was increasing rapidly. Population of Japan was 35 million in 1872, which increased to 55 million in 1920. To reduce population pressure the govt. activily encouraged migration. With the development of industries people came to cities. By 1925, 21 percent of the population lived in cities; by 1935, this figure had gone up to 32 percent. The agricultural system in Japan also improved. Funds were raised by levying an Agricultural Tax. Railways also contributed siginificantly to the moderization of Japan's economy. Japan's first railway line, between Tokyo and port of Yokahama, was build in 1870-72.

उत्तर 32 मारी नगर फरात नदी के किनारे घास के मैदानी क्षेत्र में स्थित था। 2000 ई0 पू0 के बाद मारी नगर शाही राजधानी के रूप में फला–फूला। यहाँ पर खेती की पैदावार भरपूर नहीं थी। मारी राज्य में किसान और पशु चारक दोनों ही तरह के लोग रहते थे

Downloaded from www.cclchapter.com Scanned with OKEN Scanner

लेकिन उस प्रदेष का अधिकांश भाग भेड़–बकरी चराने के लिए काम लिया जाता था। पशु चारकों को जब अनाज, धातु के औजारों आदि की जरूरत पड़ती थी, तब वे अपने पशुओं तथा उनके पनीर, चमड़ा मांस आदि के बदले ये चीजे प्राप्त करते थे। वाडे में रखे जाने वाले पशुओं के गोबर से बनी खाद भी किसानों के लिए बहुत उपयोग होती थी। फिर भी यहां पर किसानों और गड़रियों के बीच झगड़े हो जाते थे। ये गड़रिये खानाबदोश होते थे और कई बार किसानों के गांवों पर हमला बोलकर उनका इकट्ठा किया माल लूट लेते थे। इस क्षेत्र में पशु चारक समुदाय पश्चिम मरुस्थल क्षेत्र से आते रहते थे। ये लोग यहीं पर बस जाते थे और इस क्षेत्र के शासक बन गए। मारी के राजा एमोराइट समुदाय के थे। इनके जिमरीलिम नामक प्रसिद्ध शासक का वर्णन आता है, जिसने 1810–1760 ई० पू० तक शासन किया। यह राजा 260 कमरों वाले महल में रहता था।

मारी एक प्रमुख व्यापारिक केन्द्र था। यहां से होकर लकड़ी, तांबा, रांगा, तेल, मदिरा और अन्य कई किस्मों का माल नावों के जरिये फरात नदी के रास्ते दक्षिण और तुर्की, सीरिया और लेबनान के ऊंचे इलाके में लाया ले जाया जाता था। दक्षिणी नगरों को घिसाई–पिसाई के पत्थर, चक्कियां, लकड़ी और शराब और तेल के पीपे ले जाने वाले जलपोत मारी में रूका करते थे। मारी के अधिकारी जलपोत पर जाया करते थे। उस पर लदे हुए सामान की जांच करते थे। ये अधिकारी लादे हुए माल का 10 प्रतिशत प्रभार वसूल करते थे। इस प्रकार मारी सैनिक दृष्टि से इतना सबल नहीं था, परन्तु व्यापार तथा समृद्धि के मामले मे यह वह अद्वितीय था।

यहां के शासक यहां रहने वाले विभिन्न समुदायों की भावनाओं का आदर करते थे। एमोराइट शासकों ने मारी में डेगन देवता का मंदिर भी बनवाया।

Answer 32 The city of Mari was located in the grasy plains along the bank of Euphrates. After 2000 BCE the royal capital of Mari flourished. Agricultunal Production was not plentiful here. Mari had both farmers and pastoralists, but most of its turnitory was used for pasturing shapes and goats. Herders need to exchange young animals, cheese, leather and meat in return for grain, metal tools etc, and the manure of a panned flock is also of great use to a famer. Yet at

Downloaded from www.cclchapter.com Scanned with OKEN Scanner

the same time there may be conflict. These shepherds were nomads. Many time they attacked farmers villagers and seize their stored goods. In this area nomadic communities used to come from the western desert area. These people settled here and some of them become the ruller of this area. There is a desription of famous ruler named zimrilim who ruled from 1810-1760 BCE.

Mari was a famous trading centre. Located on Euphrates in Prime Position for trade – in wood, copper, tin, oil, wine and various other goods that were carried in box along the Euphrates – between the south and mineral rich uplands of Turkey. Boats carrying grinding stones, woods and wine and oil jars would stop at Mari. Officers of this town would inspect and livy a charge of about one tenth the value of the goods. Although the Kingdom of Mari was not militarily strong, it was exceptionally prosperous.

The rulers here respected the sentiments of the different communities living here. Amorites ruler also built a temple of Dagan God in Mari.

अथवा / OR

उत्तर 32 ईसाईयों का यह विश्वास था कि पृथ्वी पापों से भरी हुई है और पापों की अधिकता के कारण वह स्थिर है। इसके चारों ओर खगोलीय गृह घूम रहे है। कोपर निकस ने यह घोषणा की कि पृथ्वी सहित सारे गृह सूर्य के चारों ओर परिक्रमा करते है। कोपर निकस एक निष्ठावान ईसाई थे और वह इस बात से भयभीत थे कि उनकी इस नई खोज से परंपरावादी ईसाई धर्माधिकारियों में घोर प्रतिक्रिया उत्पन्न हो सकती है। यही कारण है कि वह पाण्डुलिपि 'दि रिवलयूशनिवस' को प्रकाशित नहीं कराना चाहते थे। जब वह अपनी मृत्यु शैया पर थे, तब उन्होंने यह पांडुलिपि अपने अनुयायी जोशिम रिटिकस को सौंप दी। उनके इन विचारों को ग्रहण करने में समय लगा। आगे चलकर आधी शताब्दी बीतने पर खगोलशास्त्री जोहानेस कैप्लर तथा गैलिलियों गैलेली ने अपने लेखों द्वारा स्वर्ग और पृथ्वी के अन्तर को समाप्त कर दिया। कैप्लर ने अपने ग्रंथ 'कान्स्मोग्राफिकल मिस्ट्री' में कोपरनिकस के सूर्य केन्द्रित सौरमंडलीय सिद्धांत को लोकप्रिय बनाया जिससे यह सिद्ध

Downloaded from www.cclchapter.com Scanned with OKEN Scanner

हुआ कि सारे गृह सूर्य के चारों ओर वृताकार रूप में नहीं बल्कि दीर्घ वृताकार मार्ग पर परिक्रमा करते है। गैलिलियों ने अपने ग्रंथ 'दि मोषन' में गतिशील विश्व के सिद्धांतों की पुष्टि की। विज्ञान के जगत में इस क्रांति ने न्यूटन के गुरुत्वाकर्शण सिद्धांत के साथ अपनी पराकाष्ठा की ऊँचाई को छू लिया।

Answer 32 Christians had believed that the earth was singful place and heavy burden of sin made it immobile. The earth stood at the centre of the universe around which moved the celestial planets. Copernieus asserted that the planets including the earth, rotate around the sun. A devout Christian, Copernicus was afraid of the possible reaction to his theory by traditionalist clergyman for this reason, he did not want his manuscript, 'De revolutions bus' to be printed. On his death bed, he gave it to his follower, Joachim Rhetieus. It took time for people to accept this idea. More than half century later, in fact – that the difference between heaven and earth was bridged through the writings of astronomers like Johannes Kepler and Galileo Galilei. The theory of the earth as part of sun centred system was made popular by Kepler's 'cosmographical mystery' which demonstrate that the planets move around the sun not in circle but in ellipses. Galileo confirmed the notion of the dynamic world in his work 'The Motion'. This revolution in surface reached its climax with issac Newton's theory of gravitation.

खण्ड–घ (Section-D)

उत्तर 33 (i) प्रशासन को बेहतर चलाने के लिए चंगेज खाँ ने एक कानून सहिता जारी की, जिसे यास (YASA) का नाम दिया।

(ii) सन् 1221 ई0 में बुखारा विजय के उपरांत उत्सव मैदान पर

(iii) अमीर मुसलमान निवासियों की।

(iv) चंगेज खाँ के बड़े पुत्र जोची का एक दूर का वंशज अब्दुल्ला खान ने

Downloaded from www.cclchapter.com Scanned with OKEN Scanner

Answer 33

(i) To better run the administration, Genhis Khan issued a law code which was named Yasa.

(ii) Genghis Khan announced Yasa in 1221 AD at the festival ground after the conquest of Bukhara.

(iii) Rich muslim residents.

(iv) Abdullah Khan, a descendant of Joehi, Genghis Khan's eldest son.

उत्तर 34

(i) पुनर्जन्म या पुनर्जागरण।

(ii) स्विटजरलैण्ड के ब्रेसले विश्वविद्यालय से।

(iii) लियोपोल्ड वॉन रांके

(iv) जैकब बर्कहार्ट

Answer 34

(i) Rebirth

(ii) University of Basle in Switzerland

(iii) Leopold Von Ranke

(iv) Jacoob Burckhart

उत्तर 35

(i) दास प्रथा के कारण।

(ii) उत्तरी राज्यों ने

(iii) 1861-65

(iv) 20वीं सदी में

Answer 35

(i) Slavery System

Downloaded from www.cclchapter.com Scanned with OKEN Scanner

(ii) The Northwern states of the USA.

(iii) 1861-65

(iv) In the Twnetienth Century.

खण्ड–ड (Section-E)

उत्तर 36

Downloaded from www.cclchapter.com
Scanned with OKEN Scanner